भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. ***154** जिसका उत्तर

शुक्रवार, **16 दिसम्बर,** 2022/25 अग्रहायण, 1944 (शक) को दिया जाना है

पश्चिमी तट में बंदरगाह

†*154. श्री तेजस्वी सूर्या :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के पश्चिमी तट पर बंदरगाहों की संख्या कितनी है और उनका आकार क्या है;

(ख) क्या व्यावसायिक घरानों और उद्योगों द्वारा की गई मांग के कारण कर्नाटक में एक अतिरिक्त बंदरगाह विकसित करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि कर्नाटक में एक नए बंदरगाह से राज्य की बड़ी आबादी को लाभ होगा, जो चेन्नई में बंदरगाह पर बहुत अधिक निर्भर है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (घ): एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

"पश्चिमी तट में बंदरगाह" के संबंध में श्री तेजस्वी सूर्या द्वारा पूछे गए दिनांक 16 दिसम्बर, 2022 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *154 के उत्तर के भाग (क) से (घ) तक में संदर्भित विवरण

(क): भारत के पश्चिमी तट पर 46 पत्तन स्थित हैं, जिनकी कार्गो हैंडलिंग क्षमता पास लगभग 1.5 मिलियन टन है। देश के पश्चिमी तट पर स्थित पत्तनों के आकार/ क्षमता सहित उनकी सूची **अनुबंध-I** में प्रदान की गई है।

(ख) से (घ): जी, हां। जैसा कि कर्नाटक सरकार द्वारा सूचित किया गया है, जनसामान्य और पश्चभूमि की आवश्यकताओं पर विचार करते हुए कर्नाटक मैरीटाइम बोर्ड ने होन्नावर पत्तन, केनी-बेलेकेरी पत्तन, पाविनाकुरवे पत्तन और कारवार पत्तन (चरण-II) आदि का विकास करने के लिए पहले ही कार्रवाई आरंभ कर दी है। इस संबंध में ब्यौरा **अनुबंध-II** में प्रदान किया गया है।

अनुबंध-1

देश में पश्चिमी तट के पत्तनों (प्रचालनात्मक/ कार्गो हैंडल करने वाले) की सूची

क्र. सं.	पत्तन का नाम	राज्य	महापत्तन/ गैर- महापत्तन	क्षमता (एमटीपीए)	वित्त वर्ष 21-22 के दौरान हैंडल किया गया ट्रैफिक (एमटीपीए)
1.	कंडला (दीनदयाल पत्तन)	गुजरात	महापत्तन	261.1	127.8
2.	अलंग	गुजरात	गैर- महापत्तन	14.5	1.5
3.	बेदी	गुजरात	गैर-महापत्तन	26	5
4.	भावनगर	गुजरात	गैर-महापत्तन	4	2.7
5.	दाहेज	गुजरात	गैर-महापत्तन	44	31.7
6.	हजीरा	गुजरात	गैर-महापत्तन	40	27
7.	जाफराबाद	गुजरात	गैर-महापत्तन	10	2.6
8.	जखाऊ	गुजरात	गैर-महापत्तन	3	3.2
9.	मगदल्ला	गुजरात	गैर-महापत्तन	102	32.4
10.	मांडवी मुंद्रा एक पत्तन और एसईजेड (जीएपीएल)	गुजरात	गैर-महापत्तन	268	143.8
11.	मूल-द्वारका	गुजरात	गैर-महापत्तन	2	2
12.	मुंद्रा (पुराना)	गुजरात	गैर-महापत्तन	2	0.1
13.	नवलखी	गुजरात	गैर-महापत्तन	11	7.2
14.	ओखा	गुजरात	गैर-महापत्तन	12	4

15.	पिपावाव (जीपीपीएल)	गुजरात	गैर-महापत्तन	7	10.3
16.	पोरबंदर	गुजरात	गैर-महापत्तन	3	2
17.	सलाया	गुजरात	गैर-महापत्तन	20	6
18.	सिक्का	गुजरात	गैर-महापत्तन	3	3
19.	मुंबई	महाराष्ट्र	महापत्तन	82.9	59.9
20.	जेएनपीटी	महाराष्ट्र	महापत्तन	105.3	76
21.	बनकोट	महाराष्ट्र	गैर-महापत्तन	1	0.3
22.	भिवंडी	महाराष्ट्र	गैर-महापत्तन	2	0.1
23.	दहानु	महाराष्ट्र	गैर-महापत्तन	1	0.1
24.	दाभोल	महाराष्ट्र	गैर-महापत्तन	5	2.4
25.	धरमतर	महाराष्ट्र	गैर-महापत्तन	38	20
26.	जयगढ़	महाराष्ट्र	गैर-महापत्तन	57	21
27.	करंजा	महाराष्ट्र	गैर-महापत्तन	3	0.3
28.	केल्शी	महाराष्ट्र	गैर-महापत्तन	1.5	0.2
29.	राजपुरी/ दीघी	महाराष्ट्र	गैर-महापत्तन	30	0.2
30.	रत्नागिरी	महाराष्ट्र	गैर-महापत्तन	2	0.6
31.	रेडी	महाराष्ट्र	गैर-महापत्तन	2	0.5
32.	रेवदंडा	महाराष्ट्र	गैर-महापत्तन	4	2
33.	ट्रॉम्बे	महाराष्ट्र	गैर-महापत्तन	2.4	0.1
34.	उल्वा-बेलापुर (पनवेल)	महाराष्ट्र	गैर-महापत्तन	3	2
35.	वसई	महाराष्ट्र	गैर-महापत्तन	2	0.02

36.	विजयदुर्ग	महाराष्ट्र	गैर-महापत्तन	1	0.1
37.	मुरगांव	गोवा	महापत्तन	62.5	18.5
38.	पणजी	गोवा	गैर-महापत्तन	12	0.03
39.	नव मंगलूर	कर्नाटक	महापत्तन	112.5	39.3
40.	कारवार	कर्नाटक	गैर-महापत्तन	3.00	0.7
41.	पुराना मंगलूर	कर्नाटक	गैर-महापत्तन	0.5	0.06
42.	कोचिन	केरल	महापत्तन	73.7	34.5
43.	कोल्लम/ नींदकारा	केरल	गैर-महापत्तन	20	0.1
44.	बेपोर	केरल	गैर-महापत्तन	0.005	0.2
45.	अझिक्कल	केरल	गैर-महापत्तन	4.05	0.005
46.	कोवलम	केरल	गैर-महापत्तन		

अनुबंध-II

कर्नाटक सरकार द्वारा विकसित किए जाने वाले पत्तनों की सूची

क्रम. सं.	पत्तन का नाम	क्षमता (एमटीपीए)	लागत	स्थान
1.	होन्नावर पत्तन	5	580 करोड़ रु.	उत्तर कन्नड जिला
2.	केनी-बेलेकेरी में बारामासी गहरे पानी वाला पत्तन	30	4118 करोड़ रु.	उत्तर कन्नड जिला
3.	पाविनाकुरवे में बारामासी गहरे पानी वाला पत्तन	14	3047 करोड़ रु.	उत्तर कन्नड जिला
4.	कारवार पत्तन का विकास (द्वितीय चरण)	इससे, कारवार पत्तन की क्षमता 3 एमटीपीए से बढ़कर 5 एमटीपीए हो जाएगी।	266 करोड़ रु.	उत्तर कन्नड जिला

*****